भारत - साइप्रस द्विपक्षीय संबंधों

I. राजनीतिक संबंध :

भारत और साइप्रस के बीच संबंध परंपरागत रूप से गर्मजोशीपूर्ण एवं मैत्रीपूर्ण रहे हैं। मुख्य पादरी मकारियोस महात्मा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी का बहुत आदर करते थे। वह ब्रिटिश उपनिवेशी शासन के विरूद्ध साइप्रस के संघर्ष में भारत द्वारा प्रदान की सहायता की दिल से तारीफ करते थे। 1974 में, साइप्रस पर तुर्की के हमले के बाद भारत ने संपूर्ण साइप्रस के एकमात्र कानूनी प्रतिनिधि के रूप में निकोसिया सरकार के लिए अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त करने के लिए साइप्रस के सफल प्रयासों में अपना अडिग समर्थन प्रदान किया। भारत ने साइप्रस की संप्रभुता, एकता और भौगोलिक अखंडता तथा साइप्रस समस्या के शांतिपूर्ण समाधान का अडिग रूप से तथा लगातार समर्थन किया है। साइप्रस ने भी महत्व के सभी मुद्दों पर भारत का निष्ठापूर्वक समर्थन किया है जिसमें संशोधित यू एन एस सी में स्थाई सीट के लिए भारत की दावेदारी के लिए उसका सार्वजनिक रूप से समर्थन शामिल है।

सद्भाव के ऐसे अनेक हाव-भाव हैं जो भारत के प्रति सम्मान एवं विशेष आभार को दर्शाते हैं। राष्ट्रपति वी वी गिरी की यात्रा के अवसर पर जुलाई, 1972 में संसद भवन के पास निकोसिया नगरपालिका पार्क में महात्मा गांधी जी की एक आवक्ष प्रतिमा लगाई गई। यह इस पार्क में किसी विदेशी नेता की एक मात्र आवक्ष प्रतिमा है। जिस स्थान पर प्रतिनिधि सदन (साइप्रस की संसद) स्थित है उसका नाम 1983 में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की यात्रा के दौरान जवाहरलाल नेहरू के नाम पर रखा गया। जिस सड़क पर उच्चायोग के परिसर स्थित हैं उसका नाम इंदिरा गांधी के नाम पर रखा गया है। भारत ने भी नई दिल्ली में मुख्य पादरी मकारियोस के नाम एक स्थान का नाम रखा है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 25 सितंबर, 2015 को न्यू यार्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान अतिरिक्त समय में राष्ट्रपति अनास्टासियाडेस के साथ बैठक की।

उच्च स्तरीय यात्राएं :

पिछले वर्षों में, भारत - साइप्रस राजनीतिक संबंध उच्च स्तर पर अनेक यात्राओं के माध्यम से सुदृढ़ हुए हैं। साइप्रस गणराज्य के लगभग सभी राष्ट्रपतियों ने भारत का राजकीय दौरा किया है।

भारत की ओर से राष्ट्रपति वी वी गिरी ने जुलाई, 1972 **में तथा राष्ट्रपति आर वेंकटरमन ने सितंबर**, 1988 **में साइप्रस का दौरा किया। सितंबर**, 1983 **में प्रधानमंत्री गांधी की ऐतिहासिक यात्रा को साइप्रस के साथ भारत के संबंधों में एक महत्वपूर्ण मील पत्थर के रूप में आज भी याद किया जाता है। प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने अक्टूबर**, 2002 **में साइप्रस का दौरा किया। भारत की ओर से पिछली उच्च स्तरीय यात्रा राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल की थी जिन्होंने अक्टूबर**, 2009 **में साइप्रस का राजकीय दौरा किया था।**

प्रतिनिधि सदन के अध्यक्ष श्री ए घालानोस ने 1995 **में भारत का दौरा किया।** 1996 **में एक भारतीय संसदीय शिष्टमंडल द्वारा वापसी यात्रा की गई। प्रतिनिधि सदन के दो सदस्यों ने जनवरी**, 2003 **में नई दिल्ली में भारत की संसद के स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संसदीय सम्मेलन में भाग लिया। भारत की ओर से, तत्कालीन लोक सभा अध्यक्ष श्री शिवराज वी पाटिल के नेतृत्व में एक भारतीय शिष्टमंडल ने प्रतिनिधि सदन के अध्यक्ष के निमंत्रण पर सितंबर**, 1992 **में साइप्रस का दौरा किया।** 1996 **में, राज्य सभा की उप सभापति डा. नजमा हेपतुल्ला तथा लोक सभा उपाध्यक्ष श्री एस मल्लिकार्जुन ने साइप्रस का दौरा किया। माननीय लोक सभा अध्यक्ष श्री सोमनाथ चटर्जी के नेतृत्व में एक भारतीय संसदीय शिष्टमंडल ने अप्रैल**, 2007 **में लीमासोल में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ बैठक की मध्यावधि कार्यपालक समिति बैठक में भाग लेने के लिए साइप्रस का दौरा किया। संसद सदस्य श्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने** 24 **से मई** 2015 **तक लिमासोल, साइप्रस में आयोजित ब्रिटिश आइलैंड और भूमध्य सागर क्षेत्र के** 45**वें क्षेत्रीय सम्मेलन में भाग लिया।**

मंत्री स्तर पर हाल की यात्राएं :

भारत की ओर से :

- **प्रनीत कौर, राज्य मंत्री (ईए) ने अप्रैल**, 2013 **में साइप्रस का दौरा किया।**
- **विदेश मंत्री श्री प्रणब मुखर्जी ने मई** 2007 **में साइप्रस का दौरा किया।**

साइप्रस की ओर से -

- **वाणिज्य, उद्योग एवं पर्यटन मंत्री श्री अंटोनिस पासचालिदेस ने अक्टूबर**, 2010 **में भारत का दौरा किया।**
- **साइप्रस के विदेश मंत्री श्री मारकोस किप्रियानाव ने भारत के विदेश मंत्री के निमंत्रण पर** 17 **से** 19 **अप्रैल**, 2011 **के दौरान भारत का आधिकारिक दौरा किया।**

- **कृषि**, **प्राकृतिक संसाधन एवं पर्यावरण मंत्री सोफोकलिस अल्बर्ट अलेट्रेरिस ने हैदराबाद में** 8 **से** 19 **अक्टूबर**, 2012 **के दौरान आयोजित सी बी बी के सीओपी** - 11 **में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया।**
- **वर्तमान विदेश मंत्री लोयनिस कसावलिडेस ने असेम की विदेश मंत्री बैठक** 11 **के लिए नवंबर**, 2013 **में भारत का दौरा किया।**

द्विपक्षीय संस्थानिक व्यवस्थाएं :

विदेश कार्यालय परामर्श : मार्च, 2001 **में**, **दोनों पक्षों ने वैकल्पिक तौर पर निकोसिया एवं नई दिल्ली में वार्षिक आधार पर सचिव के स्तर पर विदेश कार्यालय परामर्श (एफ ओ सी) को शुरू करने के लिए एक प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किया। अब तक विदेश कार्यालय परामर्श की** 3 **बैठकें हो चुकी हैं** (2001 - **निकोसिया**, 2004 **एवं** 2009 - **नई दिल्ली**)। **विदेश मंत्रालय से संयुक्त सचिव (मध्य यूरोप) तथा साइप्रस के विदेश मंत्रालय में राजनीतिक निदेशक के स्तर पर अंतरिम वार्ता का आयोजन निकोसिया में** 11 **नवंबर**, 2014 **को हुआ।**

संयुक्त आर्थिक समिति : भारत और साइप्रस ने अप्रैल, 1989 **में आर्थिक**, **व्यापार**, **वैज्ञानिक और औद्योगिक सहयोग के लिए एक करार पर हस्ताक्षर किया जिसके बाद संयुक्त आर्थिक समिति (जे ई सी) का गठन किया गया। जे ई सी की पहली बैठक मई** 1992 **में निकोसिया में और पिछली बैठक** 2012 **में निकोसिया में हुई थी।**

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (एस एंड टी) पर संयुक्त कार्य समूह : इस क्षेत्र में वाणिज्यिक अनुप्रयोग की संभावना के साथ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग को सुगम बनाने के उद्देश्य से अक्टूबर, 2002 **में एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किया गया जिसमें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में संयुक्त अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं तथा संयुक्त उद्यमों का प्रावधान है। भारत - साइप्रस संयुक्त कार्य समूह की पहली बैठक नई दिल्ली में नवंबर**, 2005 **में हुई थी।**

सूचना प्रौद्योगिकी (आई टी) के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता ज्ञापन (एम ओ यू) : आई टी एवं सेवाओं पर एम ओ यू पर हस्ताक्षर अक्टूबर, 2002 **में किया गया। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर एम ओ यू तथा सूचना प्रौद्योगिकी पर एम ओ यू को लागू करने के लिए साइप्रस ने एक संयुकत जे डब्ल्यू सी का गठन किया है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर भारत - साइप्रस संयुक्त कार्य समूह की पहली बैठक नई दिल्ली में** 2005 **में हुई थी।**

साइप्रस - भारत व्यवसाय संघ (सी आई बी ए) : सितंबर, 2005 **में**, **साइप्रस - भारत व्यवसाय संघ (सी आई बी ए) का गठन साइप्रस के वाणिज्य चेंबर के तत्वावधान में हुआ।**

भारत तथा साइप्रस के बीच हस्ताक्षरित करार / एम ओ यू :

(i) **आर्थिक, व्यापार, वैज्ञानिक, तकनीकी एवं औद्योगिक सहयोग करार :** 13 **अप्रैल**, 1989 **को इस पर हस्ताक्षर किया गया**;

(ii) **दोहरा कराधान परिहार करार** 13 **जून**, 1994 **को इस पर हस्ताक्षर किया गया**;

(iii) **सौदागर पोत परिवहन करार :** 1997 **में इस पर हस्ताक्षर किया गया**;

(iv) **सूचना प्रौद्योगिकी तथा सेवाओं पर एम ओ यू : इस पर अक्टूबर**, 2002 **में हस्ताक्षर किया गया**;

(v) **डाक एवं दूर संचार के क्षेत्र में सहयोग पर एम ओ यू : इस पर अक्टूबर**, 2002 **में हस्ताक्षर किया गया**;

(vi) **सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विज्ञान पर एम ओ यू : इस पर अक्टूबर**, 2002 **में हस्ताक्षर किया गया**;

(vii) **परस्पर निवेश संरक्षण एवं संवर्धन करार : इस पर** 9 **अप्रैल**, 2002 **को निकोसिया में हस्ताक्षर किया गया**;

(viii) **राजनयिक एवं आधिकारिक / सेवा पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा से छूट के लिए करार : इस पर मई**, 2007 **में हस्ताक्षर किया गया**;

(ix) **सांस्कृतिक, शैक्षिक एवं वैज्ञानिक सहयोग कार्यक्रम : इस पर मई**, 2007 **में हस्ताक्षर किया गया**;

(x) **अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद, संगठित अपराध तथा दवाओं के अवैध दुर्व्यपार के खिलाफ संघर्ष पर करार : इस पर मई**, 2007 **में हस्ताक्षर किया गया तथा** 2008 **में इसे यू एन एस जी सचिवालय में दर्ज कराया गया**;

(xi) **विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग पर एम ओ यू : संयुक्त अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं तथा संयुक्त उद्यमों का प्रावधान करने वाले इस एम ओ यू पर अक्टूबर**, 2002 **में हस्ताक्षर किया।**

(xii) **सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में सहयोग के लिए करार : इस पर अक्टूबर**, 2002 **में हस्ताक्षर किया गया**;

(xiii) **कृषि के क्षेत्र में सहयोग : साइप्रस के साथ कृषि के क्षेत्र में सहयोग कार्यक्रम (पी ओ सी) पर हस्ताक्षर** 1992 **में किया गया।**

(xiv) **हवाई सेवा करार : भारत और साइप्रस गणराज्य के बीच हवाई सेवा करार (ए एस ए) पर हस्ताक्षर** 18 **दिसंबर**, 2000 **को निकोसिया में किया गया।**

(xv) **जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय तथा साइप्रस विश्वविद्यालय के बीच सहयोग पर एम ओ यू : इस पर जून**, 2010 **में साइप्रस विश्वविद्यालय के मानविकी संकाय तथा साहित्य संकाय और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के भाषा, साहित्य एवं सांस्कृतिक अध्ययन विद्यालय द्वारा हस्ताक्षर किया गया।**

II आर्थिक संबंध :

व्यापार संबंध : **भारत और साइप्रस के बीच द्विपक्षीय व्यापार में हाल के वर्षों में वृद्धि हुई है। पिछले तीन वर्षों के व्यापार के आंकड़े यहां नीचे दिए गए हैं** :

(आंकड़े मिलियन अमरीकी डालर में)

वर्ष	**भारत का निर्यात**	**भारत का आयात**	**कुल मात्रा**	**व्यापार संतुलन**
2013 -14	61.57	20.31	81.88	(+) 41.26
2014 -15	51.11	22.82	73.93	(+) 28.20
2015 -16 (**अप्रैल - सितंबर**)	32.36	8.34	40.70	(+) 28.29

(**स्रोत** : **वाणिज्य विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, नई दिल्ली**]

भारत से निर्यात की जाने वाली प्रमुख वस्तुएं : **जैविक रसायन, तिलहन, ओलिगी फ्रूट्स, मछली तथा अन्य जलीय इनवर्टिब्रेट, वाहन एवं साजो-सामान तथा लोहा एवं इस्पात।**

साइप्रस से आयात की जाने वाली प्रमुख वस्तुएं : **एल्युमिनियम एवं इससे निर्मित वस्तुएं, लकड़ी की लुग्दी, लोहा एवं इस्पात, मशीनरी, बायलर, इंजन, प्लास्टिक एवं इससे निर्मित वस्तुएं।**

विदेशी प्रत्यक्ष निवेश : साइप्रस भारत में आठवां सबसे बड़ा एफ डी आई निवेशक है। अप्रैल, 2000 **से सितंबर**, 2015 **के दौरान साइप्रस से भारत में आने वाले निवेश की संचयी राशि** 8.328 **बिलियन अमरीकी डालर थी।** (**स्रोत - डी आई पी पी, भारत**) **अप्रैल** 2015 **से जून** 2015 **की अवधि के लिए, साइप्रस फिसलकर** 9**वें स्थान पर चला गया है। विदेशी प्रत्यक्ष निवेश मुख्य रूप से निर्माण एवं रीयल इस्टेट की गतिविधियों में है।**

III. **भारतीय समुदाय** :

भारतीय समुदाय की संख्या 3000 **के आसपास है। हालांकि स्थाई निवासियों की संख्या बहुत कम है, समुदाय में ऐसे लोगों की तादात अधिक है जो घरेलू जमदूर, कृषि मजदूर, पेशेवर, कंप्यूटर इंजीनियर, साफ्टवेयर प्रोग्रामर हैं। साफ्टवेयर विकास के अलावा, जिन अन्य एम एन सी ने भारतीयों को रोजगार दिया हुआ है उनमें मर्चेंट शिपिंग, पोत परिवहन प्रबंधन, बैंकिंग, पर्यटन, तंबाकू उद्योग तथा बाजार अनुसंधान से जुड़ी कंपनियां शामिल हैं। इस समय साइप्रस में निजी कॉलेजों में** 200 **भारतीय छात्र पढ़ाई कर रहे हैं।**

उपयोगी संसाधन :

भारतीय उच्चायोग, निकोसिया की वेबसाइट :
http://hci.gov.in/nicosia/

****

जनवरी, 2016